



ग्रामीण कृषि मौसम सेवा
भारत मौसम विज्ञान विभाग
गोविंद बल्लभ पंत कृषि और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय
उधम सिंह नगर, पंतनगर, उत्तराखंड



मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

दिनांक : 30-09-2022

उधम सिंह नगर(उत्तराखंड) के मौसम का पूर्वानुमान - जारी करनेका दिन :2022-09-30 (अगले 5 दिनों के 8:30 IST तक वैध)

मौसम कारक	2022-10-01	2022-10-02	2022-10-03	2022-10-04	2022-10-05
वर्षा (मिमी)	0.0	0.0	0.0	0.0	2.0
अधिकतम तापमान(से.)	32.0	33.0	34.0	33.0	33.0
न्यूनतम तापमान(से.)	22.0	23.0	23.0	24.0	23.0
अधिकतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	75	70	70	75	85
न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	45	45	40	45	45
हवा की गति (किमी प्रति घंटा)	6.0	6.0	6.0	6.0	6.0
पवन दिशा (डिग्री)	90	110	130	130	130
क्लाउड कवर (ओक्टा)	1	1	1	1	2

मौसम सारांश / चेतावनी:

विगत सात दिनों (23 - 29 सितम्बर, 2022) में 135.2 मिमी वर्षा हुई व आसमान में मध्यम से घने बादल छाये रहें। अधिकतम तापमान 29.0 से 32.0 डि०से० एवं न्यूनतम तापमान 21.1 से 25.9 डि०से० के बीच रहा तथा वायु में सुबह 0712 बजे सापेक्षित आर्द्रता 76 से 95 प्रतिशत व दोपहर 1412 बजे सापेक्षित आर्द्रता 61 से 85 प्रतिशत एवं हवा 1.1 से 11.4 कि०मी० प्रति घंटा की गति से मुख्यतः पूर्व-उत्तर-पूर्व, पूर्व-दक्षिण-पूर्व व पश्चिम-उत्तर-पश्चिम दिशा से चली। आगामी पांच दिनों में, आमतौर पर मौसम साफ रहेगा लेकिन 4 अक्टूबर को कहीं-कहीं हल्के बादल या बूँदा-बांदी हो सकती है। अधिकतम एवं न्यूनतम तापमान क्रमशः 32.0 से 34.0 व 22.0 से 24.0 डिग्री सेल्सियस रहेगा। हवा के 6.0 किमी/घंटे की गति से पूर्व, पूर्व-दक्षिण-पूर्व व दक्षिण-पूर्व दिशा से चलने का अनुमान है। ईआरएफएस के अनुसार, 5 से 11 अक्टूबर के दौरान राज्य में वर्षा सामान्य से अधिक, अधिकतम व न्यूनतम तापमान सामान्य रहने का अनुमान है।

सामान्य सलाहकार:

भारतीय मौसम विज्ञान विभाग से प्राप्त एनडीवीआई मानचित्र ने संकेत दिया कि जिले के लिए एनडीवीआई 0.3-0.5 के बीच है, यानी जिले में कृषि स्थिति मध्यम से अच्छी है। किसान भाई पिछले सप्ताह के मौसम, मौसम पूर्वानुमान और मौसम आधारित कृषि सलाह प्राप्त करने के लिए "मेघदूत ऐप" तथा आकाशीय बिजली के पूर्वानुमान हेतु "दामिनी ऐप" डाउनलोड करें। मेघदूत व दामिनी ऐप को गूगल प्ले स्टोर (एंड्रॉइड उपयोगकर्ताओं) और ऐप स्टोर (आईओएस उपयोगकर्ताओं) से डाउनलोड किया जा सकता है। चारा की फसल से अतिरिक्त पानी निकाल दें जिससे खेत सूख जाये तथा गिरी हुई फसल उठ सके।

लघु संदेश सलाहकार:

आगामी पांच दिनों में, आमतौर पर मौसम साफ रहेगा लेकिन 4 अक्टूबर को कहीं-कहीं हल्के बादल या बूँदा-बाँदी हो सकती है।

फ़सल विशिष्ट सलाह:

फ़सल	फ़सल विशिष्ट सलाह
चावल	धान की फसल में भूरा या सफेद फुदके का प्रकोप होने पर, क्लोथियानिडिन 50 डब्ल्यू जी की 30 ग्राम मात्रा 500 लीटर पानी में घोलकर प्रति हेक्टर की दर से छिड़काव करें। यदि फुदके के साथ तना बेधक का भी प्रकोप हो तो फिप्रोनिल 5 एससी 1000 मिली/हे डालें।
निम्बू/संतरा	यदि सिइट्रस येलो मोज़ेक वायरस के लक्षण दिखें तो संक्रमित टहनियों को छाँट लें और प्रणालीगत कीटनाशक जैसे इमिडाक्लोप्रिड 17.8 एस एल का 1 मिली/3 लीटर पानी या थायमेथॉक्सम 25 डब्ल्यू जी का 1 ग्राम/3 लीटर पानी की दर से छिड़काव करें।
सरसों	आगामी पांच दिनों में वर्षा की सम्भावना नहीं है। खेत के खाली होने पर अक्टूबर के प्रथम पखवाड़े में राई एवं पीली सरसों की बुवाई करें। राई की उन्नतशील प्रजातियों-वरुणा, रोहणी, कृष्णा, कान्ति, वरदान, वैभव, बसन्ती, नरेन्द्र, अगेती राई-4, उर्वसी में से एक का चुनाव करें। पीली सरसों की उन्नतशील प्रजातियों रागिनी, विनोय बी-9, पंत पीली सरसो-1 में से एक का चुनाव करें।

बागवानी विशिष्ट सलाह:

बागवानी	बागवानी विशिष्ट सलाह
पपीता	पपीते के पेड़ में लीफ मोज़ेक वायरस होने पर पौधों से पीले और मुरझाए हुए पत्तों को हटाकर नष्ट कर दें या मिट्टी में जला दें। एक्टारा 50 डब्ल्यू डी जी को 2 ग्राम/ 5 लीटर पानी की दर से छिड़काव करें। पपीते में परिपक्वता के बाद, पकने के शुरुवात में ही फलों को काटा जाना चाहिए तथा उन्हें पकने के लिए कागज में लपेटा जाना चाहिए। यदि फल को पकने के लिए पेड़ पर ही छोड़ दिया जाता है तो सूक्ष्म जीवाणु संक्रमण और फल मक्खी के क्षतिग्रस्त होने की संभावना रहती है।
बैंगन	बैंगन की फसल में सफेद मक्खी का प्रकोप होने पर, बैंगन की सूखी टहनियों को काटकर नष्ट कर दें व थियामेथोक्सम 25 डब्ल्यू जी का 200 ग्राम/500 लीटर पानी / हेक्टेयर की दर से छिड़काव करें।
गोभी	जिन किसान भाईयों के खेत में गोभी के अगेती फसल के फल तैयार हो चुके हैं उन्हें काटकर बाजार भेजे तथा मध्यकालीन गोभी गोभी के पौध की रोपाई जो पिछले माह की है उसमें यूरिया की टॉप ड्रेसिंग करें।

पशुपालन विशिष्ट सलाह:

पशुपालन	पशुपालन विशिष्ट सलाह
भैंस	जिन पशुओं में एफ0एम0डी0 (मुखपका खुरपका) रोग के टीके नहीं लगे हैं उन पशुओं में तत्काल टीकाकरण करा लें। ताकि आपका पशुधन स्वस्थ रहे और उस से सही उत्पादन प्राप्त हो सके। पशुओं को हरा चारा कम मात्रा में दें तथा हरे चारे में सूखा चारा मिलाकर दें।

मुर्गी पालन विशिष्ट सलाह:

मुर्गी पालन	मुर्गी पालन विशिष्ट सलाह
मुर्गी	नमी की वजह से आहार में फफूँदी लग जाती है जिससे आहार में पोषक तत्व की कमी हो जाने से अपलाटॉक्सीकोशिस नामक बीमारी हो जाती है। इससे मुर्गियों के पेट में कीड़े पड़ने से अण्डा देने की क्षमता घट जाती है ऐसी मुर्गियों को पशु चिकित्सक की सलाह से कृमिनाशक दवा महीने में एक बार अवश्य दें।